विषाक्त शैवाल प्रस्फुटन का सी लॉयन पर प्रभाव

स्रोत: डाउन टू अर्थ

कैलिफोर्निया के तट पर विषाक्त शैवाल प्रस्फुटन के कारण **सी लॉयन अथवा जल सिंघों की प्रवृत्ति अत्यधिक आक्रामक हो गई** है, जिसके कारण वे मनुष्यों पर हमला कर रहे हैं।

- **डोमोइक एसिड**, **डायटम *Pseudo-nitzschia*** द्वारा उत्पादित एक न्यूरोटॉक्सिन है जिसके कारण सी लॉयनों के मस्तिष्क के कार्य में परिवर्तन हो रहा है।
    - इसके कारण समुद्री स्तनधारी जीवों में **तनाव, माँसपेशियों में ऐंठन, मस्तिष्क क्षति और व्यवहार में आक्रामकता** जनित होती है।
- **डोमोइक एसिड** खाद्य शृंखला में प्रवेश कर समुद्री जीवों को नुकसान पहुँचाता है और **दूषित समुद्री खाद्य** के माध्यम से **मनुष्यों** के लिये **घातक खतरा** उत्पन्न करता है।
- ग्लोबल वार्मिंग के कारण तीव्र पवनों का उत्स्रवण होता है और **पोषक तत्वों से भरपूर जल ऊपर की ओर सतह पर आ जाता है** , जिससे शैवाल की वृद्धि तीव्र हो जाती है।
    - **प्रदूषक विसर्जन** और वनाग्नि **अपवाह** (उदाहरण के लिये, **लॉस एंजलिस की वनाग्नि**) से **पोषक तत्व प्राप्त होते हैं** जिससे शैवाल को और अधिक पोषण प्राप्त होता है।
- **सी लॉयन:** सी लॉयन (सील और वालरस सहित) **समुद्री स्तनधारी** जीवों के समूह से संबंधित हैं **जिन्हें पिनिपेड समूह** (फिनि फूटेड समुद्री स्तनधारी) कहा जाता है।
    - वे **बड़े समूहों** में पाए जाते हैं और अपनी तीव्र **उग्र आवाज़** के लिये जाने जाते हैं।
    - वे अधिकांशतः समुद्र में रहते हैं, लेकिन **आराम करने, संभोग करने और पपिंग (संतति को जन्म देना)** हेतु किनारे पर आते हैं।
    - वे अधिकतर **प्रशांत महासागर** में पाए जाते हैं।

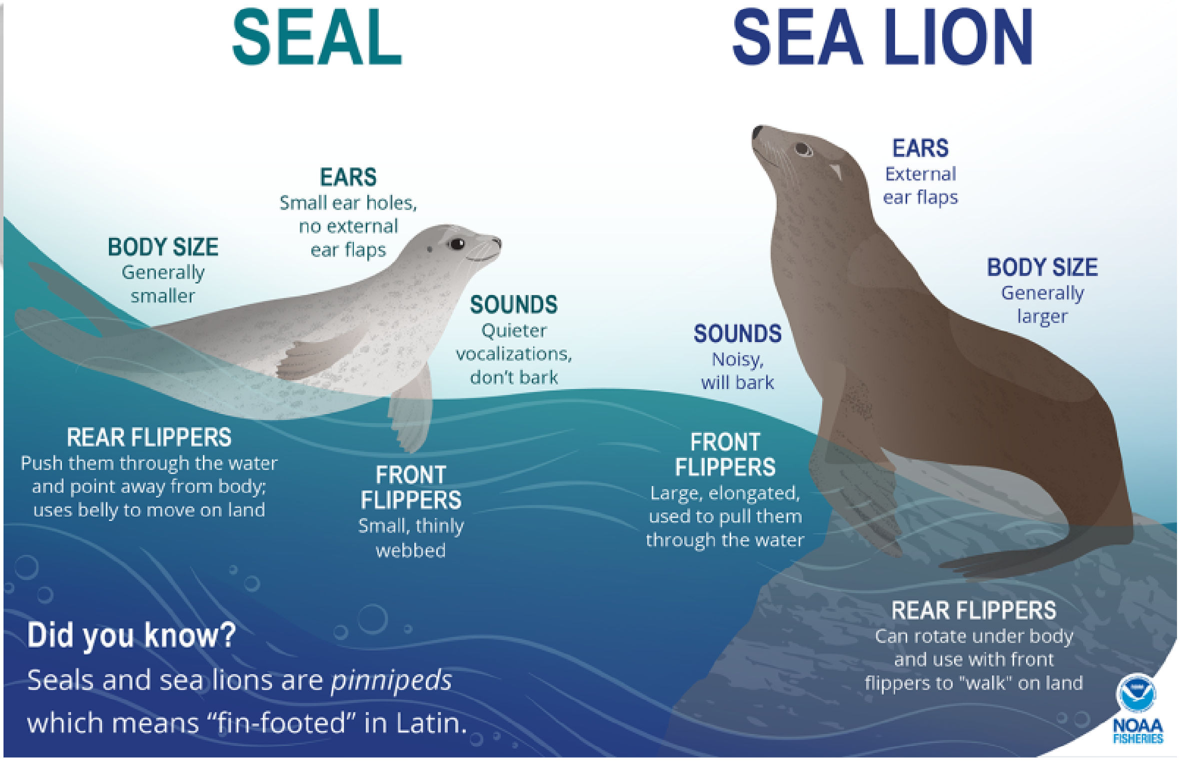

और पढ़ें: ग्रेट सी-हॉर्स का प्रवास

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/toxic-bloom-turns-sea-lions-aggressive